बैडमिंटन किट देने के बहाने ठगी करने वाले रैकेट का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

बैडमिंटन किट दिलाने के बहाने चीटिंग करने वाले रैकेट में शामिल महिला समेत दो लोगों को साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की साइबर पुलिस ने पकड़ा है।

आरोपियों में शाहदरा निवासी सुमित कश्यप (25) व राधा कश्यप शामिल है। दोनों रिश्तेदार हैं। ठगी की रकम आरोपी महिला के बैंक अकाउंट में पहुंचती थी। इसके लिये उसे कमीशन प्राप्त होता था। पुलिस ने इनके पास से दो मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, चैकबुक बरामद की है। डीसीपी मनोज सी ने बताया कि 13 सितंबर को एक शख्स ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज करायी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका संपर्क फेसबुक के जरिये खुद को योनेक्स का अधिकृत डीलर बताने वाले एक शख्स से हुआ था। इसके बाद उसने बैडमिंटन किट का ऑर्डर दिया था। बताये गए अकाउंट में ऑनलाइन एडवांस पेयमेंट तीन लाख रुपए भेजा था। यह रकम मिलने के बाद आरोपी ने पीड़ति से दूरियां बना लीं। उसने न तो बैडमिंटन किट ही भेजी और ना ही रुपए वापस किए।

साइबर सेल थाने में तीन नवंबर को दर्ज हुआ था मुकदमा

साइबर सेल थाने में तीन नवंबर को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस की तफ्तीश उस बैंक अकाउंट पर केंद्रित हुई, जिसमें रुपए भेजे गए थे। टैक्नीकल सर्विलांस की मदद से पुलिस ने इस केस में चार नवंबर को सुमित कश्यप को अरेस्ट कर लिया। इसके बाद उसकी रिश्तेदार राधा कश्यप को भी पुलिस ने पकड़ लिया। आरोपी सुमित कश्यप ने पूछताछ में बताया कि वह भोलानाथ नगर शाहदरा का रहने वाला है। 11वीं कक्षा तक पढ़ा है और केबल ऑपरेटर और वाईफाई का काम करता है। करीब 11 साल पहले वह जागृति शर्मा से मिला था, जिसने उसे अफजल खान और सुमित अयानी से मिलाया। इनके बारे में बताया गया वे सोशल मीडिया पर योनेक्स किट देने के बहाने लोगों को ठगते हैं। उसे इनके साथ हाथ मिलाने के लिए कहा गया। तय हुआ कि अगर वह बैंक अकाउंट की व्यवस्था करता है तो ठगी की रकम से कमीशन के तौर पर 40 प्रतिशत रकम मिलेगी। सुमित कश्यप उनके झांसे में आ गया और उसने अपनी नजदीकी रिश्तेदार का अकाउंट नंबर दे दिया। ठगी की रकम इसी अकाउंट में आने लगी, जिसे सुमित और राधा चैक के जरिए निकाल लेते थे। बहरहाल, पुलिस अब इस चीटिंग के रैकेट में शामिल अन्य आरोपियों को पकड़ने की कोशिश में लगी है।

लकवाग्रस्त फूफा के खाते से अपने पेटीएम अकाउंट में करता था रकम ट्रांसफर, अरेस्ट

नई दिल्ली। साइबर पुलिस स्टेशन, उत्तरी जिले की टीम ने एक ऐसे जालसाज युवक को अरेस्ट किया है जिसने फर्जीवाड़ा कर अपने लकवाग्रस्त फूफा के पेंशन खाते से कई बार रकम निकाली थी। आरोपी का नाम राहुल बैसला (27) बताया गया है। वह लोनी, गाजियाबाद का रहने वाला है। इसने 2 लाख 45 हजार के लगभग पैसा निकाला था। डीसीपी सागर सिंह कलसी के अनुसार बुराड़ी निवासी शिकायतकर्ता विश्वास (24) ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज करवाई थी। इसके बाद उत्तरी जिले के साइबर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने धोखे से लगभग 2,45,000 रुपये अगस्त-2021 से कई बार में पिता के बैंक खाते से निकाले हैं। शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि उसके पिता दिल्ली जल बोर्ड के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं और उन्हें धोखाधड़ी का पता तभी लगा जब उन्होंने बैंक पासबुक को अपडेट करने के लिए बैंक से संपर्क किया। पुलिस ने इस संबंध में 15 अक्टूबर को आईपीसी की धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। एसएचओ पवन तोमर के नेतृत्व में शुरू हुई जांच के दौरान पता चला कि निकाली गई रकम पेटीएम अकाउंट में स्थानांतरित की गई थी। पेटीएम द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल के तकनीकी विश्लेषण से आरोपी की पहचान राहुल बैसला निवासी ग्राम बादशाहपुर सिरहौली, लोनी, गाजियाबाद पता चला। इसके बाद पुलिस ने उसे नोटिस जारी कर अरेस्ट कर लिया। आरोपी पीड़ित के साथ 2011 से 2021 तक रहता था।

डीएसएसएसबी में 117 रिक्त पद दो सप्ताह में भरे जाएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) में 117 रिक्त पदों को दो सप्ताह के भीतर भरे जाने की संभावना है। यह जानकारी सूत्रों ने सोमवार को दी। ये पद गत मई में लेफ्टिनेंट गवर्नर के एक निर्णय द्वारा सृजित किये गए थे और इसमें उप सचिव, अनुभाग अधिकारी, सहायक अनुभाग अधिकारी, वरिष्ठ सहायक, कनिष्ठ सहायक, कानूनी सहायक और चतुर्थ वर्ग कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन 117 पदों के साथ, दिल्ली सरकार में 30,000 रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी आएगी, जिनमें से कुछ 2013 से रिक्त पड़े हैं। डीएसएसएसबी के एक सूत्र ने कहा कि उनकी भर्ती अंतिम चरण में है और दो सप्ताह के भीतर पूरी हो जाएगी। एक बार ये पद भर जाने के बाद, डीएसएसएसबी में जरूरी कर्मचारियों की संख्या पूरी हो जाएगी और हम उम्मीद कर सकते हैं कि इससे स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विभिन्न सरकारी विभागों के लिए 30,000 उम्मीदवारों का चयन करने के लिए कुशलतापूर्वक परीक्षा और साक्षात्कार आयोजित करने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। सूत्र ने कहा कि 30,000 लंबित रिक्तियों में शिक्षक, नर्स, पैरामेडिकल कर्मी, शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक और तकनीशियन शामिल हैं।

शव को फंदे से लटकाकर खुदकुशी का रूप देने की हुई कोशिश

प्रेमी के साथ मिलकर की दिव्यांग पति की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सामने आई सच्चाई

राजौरी गार्डन इलाके में एक दिव्यांग शख्स की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने उसके दोस्त और पत्नी को अरेस्ट किया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि मृतक ने खुदकुशी नहीं बल्कि उसकी हत्या की गई थी। बाद में उसे खुदकुशी का रंग देने की कोशिश की गई थी। आरोपी का नाम राजेश बताया गया है।

पुलिस के मुताबिक तीन नवंबर को राजौरी गार्डन इलाके में एक दिव्यांग द्वारा घर में खुदकुशी कर लेने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। घटनास्थल से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था। मृतक मूलरुप से बिहार पूर्णिया का रहने वाला था। वह पत्नी के साथ किराए पर रहता था। पुलिस को जांच के दौरान मकान मालिक से पता चला कि शाम साढ़े पांच बजे मृतक की पत्नी ने उन्हें घटना की जानकारी दी थी। उसे बताया गया कि मामला खुदकुशी का है। पहले पुलिस भी घटना को आत्महत्या ही मान रही थी, लेकिन पांच नवंबर को जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई तो खुलासा हुआ कि उसकी हत्या गला घोंटकर की गई है। इसके बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसने उसने बताया कि प्रेमी राजेश के संग मिलकर उसने पति की हत्या की थी। राजेश पति का ही दोस्त है। घर आने जाने के दौरान उनके बीच सम्बंध बन गए थे। एक दिन पति ने दोनों को आपतिजनक हालत में देख लिया था, जिसके बाद राजेश के घर आने पर प्रतिबंध लग गया था। इसके बाद दोनों ने इस वारदात की पठकथा तैयार कर उसे अमलीजामा पहनाया था।

होटल में युवक की संदिग्ध हालात में मौत

उत्तरी दिल्ली के लाहौरी गेट इलाके में होटल के अंदर एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। मृतक का शव एक रुम के बाथरुम में कुंडे से लटका हुआ था। उसके गले पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल भेज दिया है। शुरुआती जांच में इस घटना को सुसाइड से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पीएम रिपोर्ट से पता चलेगा। पुलिस ने बताया रविवार दोपहर करीब पौने तीन बजे फतेहपुरी के होटल से सूचना मिली थी कि एक युवक कमरे का दरवाजा नहीं खोल रहा है। पुलिस ने होटल की तीसरी मंजिल पर पहुंच एक कमरे से युवक की लाश बरामद कर ली। मृतक की पहचान प्रशांत डे के तौर पर हुई जो तिनसुकिया आसाम का रहने वाला था। यहां जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि रुम नंबर 11 में यह युवक ठहरा हुआ था। जबकि रूम नंबर बीस में उसका दूसरा साथी और एक युवती ठहरे हुए थे। पुलिस का कहना है इस युवक की लाश बाथरुम में कुंडे से लटकी मिली थी। इस वजह से उसकी खुदकुशी की आंशका जतायी जा रही है। पुलिस को इस केस में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। अब पुलिस को इस मामले में उस कपल की तलाश है, जो घटना के बाद से गायब है। मृतक के परिजनों को इस घटना की सूचना दे दी गई है, जिनके दिल्ली आने पर शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

दक्षिणपुरी के रहने वाले युवक की पलवल में मौत

- परिजनों का हत्या का आरोप, पुलिस ने एक्सीडेंट बताया

नई दिल्ली। दक्षिणपुरी के रहने वाले एक युवक की पलवल, हरियाणा में सड़क हादसे में मौत हो गई। हालांकि सोमवार सुबह पुलिस को परिजनों ने कॉल कर दोस्तों पर पलवल ले जाकर हत्या का आरोप लगाया था। लेकिन शाम को तहकीकात के बाद पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि यह हत्या का नहीं बल्कि रोड एक्सीडेंट का मामला है। अभी पुलिस मृतक के साथ आखिरी बाद देखे गये उसके दोस्तों से पूछताछ कर उनके बयानों को वैरिफाई करने में जुटी है। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे पीसीआर कॉल मिली थी कि जिसमें कॉलर ने बताया कि उसके लड़के आकाश (32) निवासी दक्षिणपुरी को तीन लड़के घर से बुलाकर ले गये थे और पलवल ले जाकर उसकी हत्या कर दी। सूचना पर अंबेडकर नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पलवल पुलिस से संपर्क हुआ तो पता चला कि सड़क हादसे में शख्स की मौत हुई है। वह नशे में भी था। पुलिस को जांच में यह भी पता चला कि आकाश अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ दक्षिणपुरी में किराये पर रहता था। वह प्राइवेट ड्राइवर था। पांच नवंबर को उसका पत्नी से झगड़ा हुआ था। इसके बाद पत्नी दोनों बच्चों के साथ अपने मायके यूपी चली गई थी। आकाश घर आया और उसने अपने दो दोस्तों अविनाश गुप्ता और सन्नी को कमरे पर बुलाया। सभी ने रात जमकर शराब पी। रात करीब साढ़े 12 बजे वह दो मोटर साइकिलों पर सवार होकर बीआरटी रोड पेट्रोल पंप पहुंचे। पेट्रोल भरवाने के बाद आकाश ने दोस्तों को कहा कि वह एटा, मैनपुरी अपनी पत्नी को लाने जा रहा है। इसके बाद आशंका जताई जा रही है कि वह पलवल सड़क हादसे का शिकार हो गया जिसमें उसकी जान चली गई। पलवल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है।

जहांगीरपुरी हिंसा के मास्टरमाइंड पर पुलिस ने फिर कसा शिकंजा

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में हुई हिंसा के मास्टरमाइंड समेत चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये जमानत पर जेल से बाहर आए थे, जिनके खिलाफ पुलिस ने एहतियातन इलाके में शांति भंग करने की कोशिश के तहत कानूनी कार्रवाई की। इनके नाम मोहम्मद अंसार, जाकिर हुसैन, अरबाज और शेख जैनल है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद अंसार ने इलाके में जुलूस निकाला था। आरोप है कि उसने जाकिर और अन्य लोगों के साथ मिलकर रविवार को इलाके के लोगों को भड़काने की भी कोशिश की थी। यह बात पुलिस को स्थानीय लोगों के जरिए पता चली, जिसके बाद इन लोगों को पकड़ा गया। 4 नवंबर को अंसार को जमानत दी गई थी। उसे 25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मिली थी। वह 17 अप्रैल से न्यायिक हिरासत में था। पुलिस ने इसकी जमानत का भी विरोध किया था, जिसमें दावा किया गया था कि उसे इस मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। हिंसा के दौरान आठ पुलिस कर्मियों पर हमला किया गया था और वह मुख्य आरोपियों में से एक है। इस सबके बाद भी कोर्ट ने उसे जमानत दे दी। जहांगीरपुरी दंगा केस में क्राइम ब्रांच ने अंसार समेत 37 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। 16 अप्रैल को जहांगीरपुरी क्षेत्र में हनुमान जयंती के अवसर पर एक जुलूस के दौरान अलग-अलग समुदायों के दो समूहों के बीच झड़प हो गई थी।

पहले लड्डू में नशीला पदार्थ मिलाकर रिक्शा चालक को खिलाया, फिर उड़ाया सामान

पुलिस ने जहरखुरानी गैंग में शामिल तीन बदमाशों को किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

जहरखुरानी गैंग के तीन बदमाश नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने अरेस्ट किए हैं। आरोपी अपने टारगेट को लड्डू में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला देने के बाद लूट लेते थे। 100 से ज्यादा कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस इन तक पहुंची। आरोपियों के नाम गौरव, कमल और पवन बताये गये हैं।

पुलिस के अनुसार 23 अक्टूबर को ईश्वरदीन मिश्रा (43) ने गुलाबी बाग थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। उसने बताया था कि वह रिक्शा चलाता है। 21 अक्टूबर की सुबह सात बजे वह 23 पंखे और कॉपर की तार भागीरथ प्लेस स्थित हरियाणा इलेक्ट्रिकल स्टोर से लेकर जा रहा था। उसे नजफगढ़ पहुंचना था। जब उसने गुलाबी बाग को क्रॉस किया और शास्त्री नगर की तरफ बढ़ा तो उसे कुछ बेहोशी सी छाने लगी। बाद में वह अपना सुधबुध खो बैठा। कुछ देर बाद वह होश में आया तो सामान गायब हो चुका था। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालनी शुरू की। 24 अक्टूबर को जखीरा फ्लाईओवर की फुटेज देखी गई जिसमें स्कूटी सवार एक शख्स पीड़ित के रिक्शा को धक्का देते नजर आया। स्कूटी के नंबर से पुलिस ने उसके मालिक का पता लगाया। उसकी पहचान कमल सिंह (34) के तौर पर हुई। इसे 31 अक्टूबर को पकड़ पूछताछ की गई जिसने इस वारदात में अपना हाथ स्वीकार लिया। बाद में इसकी निशानदेही पर पवन (32) को भी अरेस्ट कर लिया गया। इसके बाद दो नवंबर को गौरव उर्फ हड्डी (30) को पकड़ा गया। इनसे हुई पूछताछ के दौरान पुलिस ने उस कैमिस्ट की पहचान कर ली, जिसने बिना डॉक्टर की पर्ची के उन्हें नशे वाली ड्रग्स दी थी। आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि पीड़ति के रिक्शे में माल भरा देख उन्होंने उसे टारगेट किया। वहां लड्डू में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे खाने को दे दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसका पीछा करना शुरु कर दिया। पीड़ति के सुधबुध खो देने के बाद आरोपी उसका रिक्शा लेकर स्वरुप नगर की ओर चले गए थे। इसके बाद रिक्शे में भरे माल को आरोपियों ने सीलमपुर निवासी राजू को 45 हजार रुपए में बेचकर मौज में दीवाली मनाई थी। पुलिस अब चोरी का माल खरीदने वाले राजू की तलाश में है। आरोपी कमल 18 मामलों में शामिल रहा है। वह जुए और नशे का आदि है। उस्मानपुर निवासी पवन के ऊपर भी 19 केस मिले हैं, वहीं दयालपुर का रहने वाला गौरव सात केस में शामिल रहा है।

डेढ़ दर्जन मामलों का आरोपी क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कई साल से चकमा दे रहे लुटेरे को अरेस्ट किया है। आरोपी अनुज सिंह करीब डेढ़ दर्जन मामलों में शामिल पाया गया है। आरोपी पुलिस से बचने के लिये दिल्ली में कैब चला रहा था। इसके साथ ही पार्ट टाइम जयपुर, राजस्थान जाकर वहां के कुछ होटलों में वेटर का काम भी करता था। पुलिस के अनुसार आरोपी पहला पुस्ता सोनिया विहार का रहने वाला है। पुलिस से बचने के लिए वह अपना घर छोड़कर चोरी छिपे खजूरी खास में रहने लगा था। पुलिस का कहना है कि तीन मामलों में अदालत ने बदमाश को भगोड़ा व एक मामले में गैर जमानती वारंट भी इसके खिलाफ जारी हो चुका था। पांच नवंबर को क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि 18 मामलों में वांछित बदमाश अनुज मौजपुर एरिया में किसी साथी से मिलने आने वाला है। उसकी योजना गांधी नगर के एक कपड़ा व्यापारी से गन प्वाइंट पर लूटपाट करने की है। इसके बाद पुलिस ने संभावित ठिकानों पर छापा मारकर उसे दबोच लिया।

डीयू दाखिला: 23 हजार से अधिक छात्रों ने कॉलेज बदलने का विकल्प चुना

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कॉलेजों में दाखिले के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद 30,500 से अधिक छात्रों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला ले लिया है जबकि 23,000 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने कॉलेज बदलने का विकल्प चुना है। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इस बीच, विश्वविद्यालय को 'मिड एंट्री एप्लिकेशन' भी मिली हैं। पहले और दूसरे चरण में दाखिले के लिए आवेदन नहीं कर पाए अभ्यर्थियों के लिए मिड एंट्री एप्लिकेशन की व्यवस्था की गई थी। इसके लिए पांच से सात नवंबर तक का समय दिया था। विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कुल 70 हजार सीट हैं, जिनमें से अब तक 61,500 से अधिक सीटों पर छात्र दाखिला ले चुके हैं। स्नातक पाठ्यक्रमों के दूसरे चरण में 15,500 से अधिक छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में दाखिला दिया गया है। डीन (दाखिला) हनीत गांधी ने कहा कि दूसरे दौर के बाद, 30,662 छात्रों ने दाखिला ले लिया है। जबकि 23,139 छात्रों ने कॉलेज बदलने का विकल्प चुना है। इसके अलावा, हमें 1,008 मिड एंट्री आवेदन प्राप्त हुए हैं।

डीयू में सेमिनार कल

डीयू के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म द्वारा बुधवार को मीडिया एंड अकाउंटेबिल्टी विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया जाएगा।

जामिया में दो साल के बाद खुलेंगे छात्रावास

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने दो साल के लंबे अंतराल के बाद 2022-23 शैक्षणिक सत्र के लिए अपने छात्रावासों को फिर से खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, प्रथम वर्ष के छात्रों को कमरे आवंटित करने के लिए अभी तक कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है। गौरतलब है कि मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण लागू किए गए देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान छात्रावास बंद कर दिए गए थे। पिछले सप्ताह, कई छात्रावासों के अधिकारियों (प्रोवोस्ट) ने छात्रों को सूचित करते हुए नोटिस जारी किया था कि शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए छात्रावास में प्रवेश के लिए पात्र छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में प्रोवोस्ट कार्यालय में आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 20 नवंबर है। जेएमआई में लड़कियों और लड़कों के लिए कई छात्रावास हैं, जिनकी कुल क्षमता 4,000 है।

डेंगू के मामले बढ़कर हुए 2,400 से अधिक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में नवंबर के पहले चार दिनों में डेंगू के करीब 300 मामले सामने आए हैं, जिससे इस साल मच्छर जनित बीमारी के संक्रमण की संख्या बढ़कर 2,400 से अधिक हो गई है। नगर निगम द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। अक्टूबर के महीने में डेंगू के 1,238 मामले दर्ज किए गए थे। 26 अक्टूबर तक डेंगू संक्रमण की संख्या 2,175 थी और इस महीने चार नवंबर तक 295 मामले दर्ज किए गए हैं। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में इस साल मलेरिया के 207 और चिकनगुनिया के 41 मामले भी दर्ज किए गए हैं। कुल रिपोर्ट किए गए मामलों में से 693 सितंबर में सामने आए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2017 में दिल्ली में एक जनवरी से चार नवंबर की अवधि में 4,188 मामले दर्ज किए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक इस बीमारी से किसी की मौत नहीं हुई है, जबकि 2021 में डेंगू से 23 लोगों की जान चली गई थी। 2015 में दिल्ली में बड़े पैमाने पर डेंगू का प्रकोप देखा गया था।

एमबीबीएस में प्रवेश के लिए हरियाणा की बांड नीति के खिलाफ नाराजगी

मेडिकल छात्रों के समर्थन में डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधी

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

एमबीबीएस में प्रवेश के लिए करीब 10 लाख रुपये की 'बांड राशि' जमा करने के नियम के खिलाफ हरियाणा के रोहतक में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए यहां अनेक सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने सोमवार को काली पट्टी बांधकर काम किया।

फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोरदा) ने देशभर में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करने का आह्वान करते हुए कहा है कि रोहतक में 'नयी बांड नीति' के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एक मेडिकल कॉलेज के छात्रों के खिलाफ पुलिस की कथित कार्रवाई के जवाब में ऐसा किया जा रहा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दो नवंबर को कहा था कि किसी छात्र को सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश के समय 10 लाख रुपये बांड राशि जमा नहीं करनी होगी। हरियाणा सरकार के एक बयान के अनुसार उन्हें इसके बजाय संबंधित कॉलेज और बैंक के साथ इतनी राशि के बांड-सह-ऋण करार पर दस्तखत करने होंगे। बयान के अनुसार, ''यदि एमबीबीएस/एमडी की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी सात साल तक राज्य सरकार की सेवा में जाना चाहते हैं तो सरकार बांड राशि का वित्तपोषण करेगी। लेकिन जो लोग हरियाणा में सरकारी सेवा में नहीं आना चाहते उन्हें यह राशि खुद जमा करनी होगी। यह घोषणा उस दिन हुई जब रोहतक में पंडित भगवत दयाल शर्मा आयुर्विज्ञान स्नातकोत्तर संस्थान में एमबीबीएस के छात्रों ने इस नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

इन अस्पतालों का मिला साथ

फोरदा के एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली सरकार के एलएनजेपी अस्पताल, डीडीयू अस्पताल और केंद्र सरकार के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज अस्पताल व सफदरजंग अस्पताल में अनेक डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधकर काम किया। फोरदा ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को पांच नवंबर को पत्र लिखकर कहा कि एक निंदनीय बांड नीति के रूप में अनुचित शुल्क वृद्धि के बाद निर्दोष डॉक्टरों पर पुलिस कार्रवाई होती है, जिन्होंने कोविड-19 महामारी सहित सभी परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ काम किया है। यह सरकार की उदासीनता और कमजोर स्मृति को दर्शाता है। संगठन ने लिखा कि यह घटना न केवल राज्य में और देश में डॉक्टरों के मनोबल को गिराएगी बल्कि डॉक्टरों तथा सरकार के बीच अंतराल को बढ़ाएगी।

सिध मैनेजमेंट कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड

CIN: L65999DL1985PLC019846
पंजीकृत कार्यालय : ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट्स, 25, आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज नई दिल्ली-110092
E-Mail: info@sidhmanagement.in; Website: www.sidhmanagement.in

30 सितम्बर 2022 को समाप्त तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु अअंकेक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों का सार
[सेबी (एलओडीआर) नियमनों, 2015 के नियमन 47(1)(बी) देखें]

(रु. लाखों में)

क्र. सं.	विवरण	अअंकेक्षित		
		समाप्त तिमाही 30 सितम्बर 2022	समाप्त वर्तमान वर्ष हेतु वर्ष से तिथि 30 सितम्बर 2022	समाप्त पूर्ववर्ती वर्ष की अनुकूल तिमाही 30 सितम्बर 2021
1	प्रचालनों से कुल आय	14.83	12.95	39.27
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व)	12.10	6.84	36.38
3	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	12.10	6.84	24.39
4	कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	12.09	6.83	24.39
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	12.09	6.83	24.39
6	इक्विटी शेयर कैपिटल	211.75	211.75	211.75
7	रिजर्व्स (पूर्ववर्ती वर्ष की अंकेक्षित बैलेंस शीट में दर्शाये अनुसार पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	-	-	-
8	अर्जन प्रति शेयर (रु. 10 प्रत्येक के) (वार्षिकृत नहीं) बेसिक एवं डायल्युटेड	0.57	0.32	1.15

टिप्पणी : उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजेज के पास दायर किये गये तैमाहिक और समाप्त अर्ध वर्ष के अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार हैं। अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स यथा www.msei.in पर उपलब्ध हैं। ये कम्पनी की वेबसाइट यथा www.sidhmanagement.in पर भी उपलब्ध हैं।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते सिध मैनेजमेंट कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड
हस्ता/-
दिनेश शर्मा
पूर्ण-कालिक निदेशक
डीआईएन : 07526355

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 07 नवम्बर 2022